विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **पवित्रता अपनाओ जीवन अनमोल बनाओ**

इधर उधर देखते हुए जब नजर मुझे वो आई
सोच ना कुछ मैं पाया वो इतनी मन को भाई

शुरू हुई कोशिश मेरी उसके करीब आने की
कोशिश सफल हुई उससे पहचान बढ़ाने की

मौका पाते ही आखिर मैं उसके करीब आया
अपना परिचय बताकर उसका परिचय पाया

रूप रंग से अच्छी थी अब बातों से भी भाई
अपनी इच्छा मैंने एक पल में उसको बताई

चाहता हूँ ओ सुन्दरी तेरे संग जीवन बिताना
अगर हो स्वीकार तुम्हें तो जरा मुझे बताना

बोली वो हंसकर क्या इतना है मुझसे प्यार
प्रणय निवेदन तुम्हारा करती हूं मैं स्वीकार

सुनकर उसकी ये बात मन में प्रसन्नता छाई
मन ने सोचा मिलन की घड़ी आई की आई

सुन्दरी ने बड़े आदर से अपनी इच्छा जताई
शादी से पूर्व रखो मुझसे एक माह की जुदाई

दिल को समझाकर मैंने ये शर्त करी स्वीकार
आखिर उस सुन्दरी से था मुझको बेहद प्यार

बीता एक माह तो पहुंचा मैं सुन्दरी के पास
देखकर सुन्दरी को उड़ गए मेरे होश हवास

सुन्दरी के तन को जब मेरी नजरों ने जांचा
नजर आने लगी वो केवल हड्डियों का ढ़ांचा

रोते हुए मैंने पूछा तन को कैसा रोग लगाया
अपनी सुन्दरता को तुमने बोलो कहाँ गंवाया

सुन्दरी ने कहा कि मैंने रोज दो गोलियां खाई
एक से लगे दस्त मुझे और एक से उल्टी आई

एक महीने दवाई खाकर मैंने ये अवस्था पाई
उल्टी दस्त करके मैंने अपनी सुन्दरता गँवाई

करो विश्वास मेरा बाजू वाले कमरे में जाओ
उल्टी दस्त से भरे हुए दो घड़े देखकर आओ

सचमुच बाजू वाले कमरे में जाकर जब आया
सुन्दरी को देखकर मैं मन ही मन में पछताया

सुन्दरी बोली ऐसी सुन्दरता पर तुम मरते हो
बोलो क्या सचमुच मुझसे ही प्यार करते हो

चमड़ी की सुन्दरता पर धोखा तुम ना खाओ
तन के भीतर है गन्दगी खुद को ये समझाओ

पवित्रता है अनमोल तुम इसको ही अपनाओ
अपने मूल्यहीन जीवन को अनमोल बनाओ

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->